पिता अब्राहम

अध्ययन मार्गदर्शिका

अध्याय
एक

अब्राहम का जीवन: संरचना और विषय-वस्तु

THIRD MILLENNIUM
MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट में जायें - थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ ऐट थर्ड मिलेनियम

विषय-वस्तु सूची

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें..... 3

तैयारी… 4

नोट्स…**..... 5**

I. **परिचय** (0:28) 5

II. **साहित्यिक रूपरेखा** (3:07) 5
- क. उत्पत्ति (4:48) 5
- ख. अब्राहम (8:58) 6
  1. मौलिक इकाइयाँ (9:10) 6
  2. संगठन (14:04) 7

III. **मुख्य विषय** (20:51) 8
- क. कुँजी संदर्भ (22:23) 8
  1. परिचय (24:42) 9
  2. भाग एक (26:00) 9
  3. भाग दो (27:42) 10
- ख. खुलता हुआ (31:11) 10
  1. ईश्वरीय अनुग्रह (31:50) 10
  2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (34:49) 11
  3. अब्राहम को आशीषें (38:59) 12
  4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (42:33) 12

IV. **सारांश** (45:09) 13

पुनर्विचार हेतु प्रश्न..... 14

लागू करने हेतु प्रश्न..... 17

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

इस अध्याय और मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें

इस अध्ययन मार्गदर्शिका को सम्बद्ध वीडियो अर्थात् चलित दृश्य अध्यायों के साथ संयुक्त रूप में उपयोग करने के लिए निर्मित किया गया है। यदि आपके पास वीडियो उपलब्ध नहीं हैं, तो यह अध्ययन मार्गदर्शिका ऑडियो अर्थात् श्रव्य अध्याय और/या अध्याय की मूल प्रतियों के संस्करणों के साथ कार्य करने के लिए भी सहायता देंगे। इसके अतिरिक्त, अध्याय और मार्गदर्शिका की मंशा एक सीखने वाले समुदाय के उपयोग के लिए की गई है, परन्तु साथ ही इनका उपयोग यदि आवश्यक है तो व्यक्तिगत् अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप अध्याय को देखें**
    - **स्वयं को तैयार करें** – किसी भी अनुशंसित अध्यायों को पढ़ कर पूरा कर लें।
    - **देखने के लिए समय निर्धारित करें** – इस मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड में, अध्याय को उन भागों में विभाजित किया गया है जो कि वीडियो के साथ सम्बद्ध हैं। प्रत्येक मुख्य भाग के साथ दिए हुए लघुकोष्ठकों में दिए हुए समय कोड्स का उपयोग, यह निर्धारित करता है कहाँ से अध्याय देखना आरम्भ किया जाए और कहाँ देखना समाप्त होता है। थर्ड मिलेनियम के अध्याय सघनता से सूचनाओं के साथ भरे हुए हैं, इसलिए हो सकता है कि आप इसे कई टुकड़ों में देखना चाहेंगे। इन टुकड़ों को मुख्य भागों के अनुसार होना चाहिए
- **जब आप अध्याय को देख रहे हैं तब**
    - नोट्स बनाएं — अध्ययन मार्गदर्शिका के नोट्स खण्ड अध्याय की मूल रूपरेखा की जानकारी रखते हैं, जिसमें प्रत्येक खण्ड को आरम्भ किए जाने के लिए समय कोड्स और कुँजी नोट्स सम्मिलित हैं जो कि आपका मार्गदर्शन इन सूचनाओं के लिए करेंगे। अधिकांश मुख्य विचारों को पहले से ही सारांशित कर दिया गया है, परन्तु इन्हें स्वयं के नोट्स के द्वारा पूरक किया जाना सुनिश्चित करें। आपको समर्थन देने वाली अतिरिक्त सामग्री को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को स्मरण करने, विवरण देने से और इनका बचाव करने में सहायता प्रदान करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिख लें** – जब आप वीडियो को देखते हैं, तब हो सकता है कि जो कुछ आप सीख रहे हैं उसके प्रति आपके पास टिप्पणियाँ और/या प्रश्न हों। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को हाशिये में लिखें ताकि इन्हें आप अध्याय को देखने के पश्चात् समूह के साथ साझा कर सकते हैं।
    - **अध्याय के भागों को देखते समय लघु ठहराव/पुन: आरम्भ बटन का उपयोग करें –** आप पाएंगे कि कुछ निश्चित स्थानों पर पुनर्विचार के लिए कठिन अवधारणाएँ, या रूचिपूर्ण बातों पर विचार विमर्श या अतिरिक्त नोट्स लिखने के लिए वीडियो का लघु ठहराव या इसे पुन: आरम्भ करना सहायतापूर्ण है।
- **आपके द्वारा अध्याय को देख लेने के पश्चात्**
    - **पुनर्विचार के लिए प्रश्नों को पूरा करें** – पुनर्विचार के लिए प्रश्न अध्याय की मूल विषय-वस्तु के ऊपर आधारित है। आपको उपलब्ध किए हुए स्थान में पुनर्विचार के प्रश्नों के उत्तर को देना चाहिए। इन प्रश्नों को एक समूह की अपेक्षा व्यक्तिगत् रूप से पूरा किया जाना चाहिए।
    - **उपयोग के लिए प्रश्नों का उत्तर दें/विचार विमर्श करें** – उपयोग हेतु प्रश्न ऐसे प्रश्न हैं जो कि इस अध्याय की विषय-वस्तु के साथ सम्बद्ध होते हुए मसीही जीवन यापन, धर्मविज्ञान और सेवकाई से सम्बधित हैं। उपयोग हेतु प्रश्न लिखित गृहकार्यों या समूह के विचार विमर्श के लिए विषयों के लिए उपयुक्त हैं। क्योंकि लिखित गृहकार्यों के लिए, यह अनुशंसा की जाती है कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बा नहीं होना चाहिए।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

तैयारी

- उत्पत्ति 11:10-25:18 को पढ़ें

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

नोट्स

I. परिचय (0:28)

II. साहित्यिक रूपरेखा (3:07)

बाइबल के लेखकों ने अपनी कहानियों को जानबूझकर इस तरह लिखा ताकि यह प्राप्त करने वाले लोगों के जीवनों के लिए प्रासंगिक हो।

क. उत्पत्ति (4:48)

उत्पत्ति तीन बड़े भागों में विभाजित होती है।

- **अतिप्राचीन इतिहास, 1:1-11:9**

  परमेश्वर ने संसार के उदगम के बारे में सच्चाई को प्रगट किया।

- **कुलपतियों का उत्तरवादी इतिहास, 37:2-50:26**

  विस्तृत रूप से, यूसुफ की कहानी को एकीकृत करती है।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- **कुलपतियों का आरम्भिक इतिहास, 11:10-37:1**

  इस्राएल की जाति के पहले पिताओं के बारे में कहानियों का संग्रह है।

  - अब्राहम का जीवन

  - याकूब का जीवन

ख. अब्राहम (8:58)

1. मौलिक इकाइय◌ाँ (9:10)

मूसा ने अब्राहम के जीवन को 17 मौलिक इकाइयों या प्रकरणों में लिखा है:

- अब्राहम की पसन्द की गई वंशावली
- अब्राहम क◌ा बीमार पिता
- अब्राहम का कनान में प्रवास
- अब्राहम का मिस्र से छुटकार◌ा
- अब्राहम का लूत के साथ संघर्ष
- अब्राहम का लूत को बचान◌ा
- अब्राहम क◌ी वाचा की प्रतिज्ञाएँ

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- अब्राहम की हाजिरा के साथ विफलता
- अब्राहम की वाचा की शर्तें
- सदोम और अमोरा
- अबीमेलेक के लिए अब्राहम मध्यस्थता
- अब्राहम के पुत्र इसहाक और इश्माएल
- अबीमेलेक साथ अब्राहम की संधि
- अब्राहम की परीक्षा
- अब्राहम की दफ़नाने की जमीन
- इसहाक के लिए एक पत्नी
- अब्राहम की मौत और उसका उत्तराधिकारी

ये प्रकरण अपेक्षाकृत अपने आप में स्वतंत्र हैं। इनमें से प्रत्येक की रूपरेखा अब्राहम के जीवन की घटनाओं का विवरण देने और मूसा के वास्तविक श्रोताओं को विशेष तरह की शिक्षा देने के लिए वर्णित किए गए हैं।

2. संगठन (14:04)

अब्राहम के जीवन के प्रकरण विशेष विषयों के समूहों के चारों ओर गुंथे हुए हैं। ये समूह पाँच समरूप अर्थात् एक जैसे दिखाई देने वाली अवस्थाओं को बनाते हैं।

- पहला : अब्राहम की पृष्ठभूमि और परमेश्वर के साथ उसका आरम्भिक अनुभव।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

- दूसरा : अब्राहम का अन्य लोगों के साथ सम्बन्ध।

- तीसरा : अब्राहम का परमेश्वर के साथ वाचा का सम्बन्ध।

- चौथा : अब्राहम के उत्तरकालीन जीवन का अन्य लोगों के साथ सम्बन्ध।

- पाँचवा : उसकी सन्तान और मृत्यु।

III. मुख्य विषय (20:51)

क. कुँजी संदर्भ (22:23)

परमेश्वर की अब्राहम को उत्पत्ति 12:1-3 में दी गई बुलाहट :
यहोवा ने अब्राम से कहा,
"अपने देश, और अपनी जन्मभूमि, और अपने पिता के घर को छोड़कर
उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा;
और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा,
और तुझे आशीष दूँगा, और तेरा नाम बड़ा करूँगा।
और तू आशीष का मूल होगा।
और जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा;
और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा;
और भूमण्डल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएंगे"।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

1. परिचय (24:42)

यहोवा ने अब्राहम से कहा था

- अब्राहम अपनी बुलाहट को ऊर में प्राप्त किया था
- उसके पिता तेरह के मरने से पहले प्राप्त किया था

2. भाग एक (26:00)

- आदेशसूचक :
    - *अपने देश, और अपनी जन्मभूमि, और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊँगा*

- तीन मौखिक अभिव्यक्तियों के द्वारा :
    - *और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा*
    - *और तुझे आशीष दूँगा*
    - *तेरा नाम बड़ा करूँगा*

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

3. भाग दो (27:42)

ध्यान अब्राहम आशीषों को प्राप्त कर रहा है की ओर से हटाते हुए अब्राहम अन्यों के लिए आशीषों का माध्यम बन रहा है की ओर केन्द्रित होता है।

- आदेशसूचक :
    - *तू आशीष का मूल होगा*

- तीन स्वतंत्र मौखिक अभिव्यक्तियाँ आती हैं :
    - *जो तुझे आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा*
    - *जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा*
    - *सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएंगे*

ख. खुलता हुआ (31:11)

1. ईश्वरीय अनुग्रह (31:50)

परमेश्वर का अब्राहम के साथ सम्बन्ध उसके अनुग्रह के ऊपर आधारित था।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

परमेश्वर अब्राहम के जीवन में बहुत पहले ही प्रवेश कर चुका था जब कि अब्राहम ने परमेश्वर के लिए किसी तरह की कोई सेवकाई नहीं की थी।

अब्राहम की बचाने वाली धार्मिकता दया का वरदान थी।

2. अब्राहम की विश्वासयोग्यता (34:49)

परमेश्वर ने अब्राहम को अपनी दया दिखाई थी, परन्तु अब्राहम से भी विश्वासयोग्यता से भरी हुई आज्ञाकारिता की अपेक्षा की गई थी ।

परमेश्वर ने कई बार कुलपति से निष्ठा को चाहा।

- उत्पत्ति 22

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

3. अब्राहम को आशीषें (38:59)

परमेश्वर ने कुलपति को तीन आशीषें दीं :

- एक बड़ी जाति (सन्तानें)
- आशीष (समृद्धि)
- बड़ा नाम (ख्याति)

सन्तान, समृद्धि और ख्याति के वरदान परमेश्वर के भविष्य में आने वाले महान् वरदानों की प्रतिछाया थे जिन्हें परमेश्वर अब्राहम की विश्वासयोग्य सन्तान को देगा।

4. अब्राहम के द्वारा आशीषें (42:33)

परमेश्वर ने इस पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक परिवार के लिए ईश्वरीय आशीषों का माध्यम बनने के लिए अब्राहम को बुलाया था।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

परमेश्वर ने अब्राहम को अपने पास इसलिए बुलाया ताकि :

- अब्राहम इस संसार की जातियों को परमेश्वर की आशीषों के लिए नेतृत्व दे।

परमेश्वर ने मूसा के दिनों में इस्राएलियों को अपने पास इसलिए बुलाया ताकि वह:

- इस संसार की जातियों को परमेश्वर की आशीषों के लिए नेतृत्व दे सके।

परमेश्वर ने कलीसिया को आज स्वयं के पास बुलाया है ताकि वह:

- इस संसार की जातियों को उसकी आशीषों के लिए नेतृत्व दे सके।

IV. सारांश (45:09)

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

पुनर्विचार हेतु प्रश्न

1. यह अध्याय उत्पत्ति के तीन मुख्य भागों को कौन से नाम देता है ? उनमें से प्रत्येक भाग में क्या मिलता है ?

2. उत्पत्ति 11:10-25:18 में अब्राहम की कहानियों के बारे में दी हुई सरंचना का विवरण दें। इसमें उसके जीवन की मूल इकाइयों और संगठन को सम्मिलित करें।

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

3. क्यों मूसा ने इस्राएल के पहले कुलपति के लिए अपने साहित्यिक चित्रण को इस तरह से चित्रित किया है ?

4. उत्पत्ति 12:1-3 की सरंचना का विवरण दें । यह सरंचना क्यों महत्वपूर्ण है ?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

5. उत्पत्ति 12:1-3 में अब्राहम के जीवन के कौन से चार मुख्य विषय को परिचित किया गया है?

6. वे इस्राएली जो मूसा के दिनों में रहे और आधुनिक मसीहियों में कौन सी कुछ समानताएँ मिलती हैं ?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा

लागू करने हेतु प्रश्न

1. जब मूसा ने अब्राहम के बारे में लिखा तो उसने परमेश्वर के अनुग्रह की ओर ध्यान को आकर्षित किया है। वे कौन से तरीके हैं जिनमें आपके जीवन की कहानी परमेश्वर के अनुग्रह को प्रदर्शित करती है?

2. कई तरीकों में परमेश्वर के प्रति अब्राहम से आज्ञाकारिता के द्वारा विश्वासयोग्यता को दिखाने की अपेक्षा की गई थी। आपकी समझ में परमेश्वर का उसके लोगों के साथ सम्बन्ध में विश्वासयोग्यता का क्या स्थान है?

3. वे कौन से तरीके हैं जिनमें आप स्वयं को अब्राहम के साथ परिचित होते हुए पाते हैं? मूसा के विवरण का कौन सा प्रकरण मसीह के अनुयायी होने के नाते आपके अनुभव में सबसे निकट जान पड़ता है ? कैसे अब्राहम की कहानी आपको उत्साहित करती है?

4. आप क्या सोचते हैं कि मूसा ने क्या इच्छा की इस्राएल यह समझ लें कि उनकी आशीषें का एक उद्देश्य था?

5. वे कौन से तरीके हैं जिनमें आप और आपकी कलीसिया का समुदाय अन्यों के लिए आशीष है ?

6. इस अध्ययन से कौन सी सबसे महत्वपूर्ण बात को आपने सीखा है?

© थर्ड मिलेनियम मिनिस्ट्रीज़ www.thirdmill.org 2007 के द्वारा